Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
JAMMU

No. ५५१४ व

Title श्रीरामाष्टकम् स्तोत्रम्

Author

Extent ३

Subject हिन्दी में

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ॐश्रीरामायनमः॥ ॐअव्यग्री
निजधामकह्नियेनिकटसिरजो
रंगहै॥दसरथनंदनअहरगंज
नसीतारामजीप्राणब्रह्महै॥१
सनीसीताध्यानलक्ष्मनयन्हघ

दे.१०३८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रा॰
१

पारी सीताराम जी है ॥ चित्रकूट १
नपलोक कहीये ॥ सीता॰ ॥ २ ॥ लेका
पुरी छिन माहि ज्यारी आज्ञा का
री हनुमान जी है ॥ रावण मारि १
विभीषन थापु ॥ सीता॰ ॥ ३ ॥ सैला

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कलाजुग चार प्रगटे सप्तद्वीप नव
खंड हैं ॥ आदि अंत मध्य एवो ज्यु दीखौ
सीता ॥४॥ चेतन ह्वो ये चित माहि चे
त्यो ज्यो ग जुगत लीला रची ॥ करहि
कर्त्ता राम महि प्रकाश ॥ सीता ॥५॥ अष्ट

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रा०
२

सिद्धिनवनिधिदानाभक्तिमुक्तिव
रदायकं ॥ ज्योतिस्वरूपअपारली
ला ॥ सीता० ॥ ६ ॥ भालतिलकविसा
ललोचनआनंदकारीरघुरामजी
है ॥ सावरीसूरतमाधुरीमूरत ॥ सी

2

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता॰ ॥७॥ ब्रह्माशेषमहेशनारद १
कोटिअठासीमुनिदेवता ॥ इंद्रा
दिकसनकादिकगावो ॥ सीता॰ ८
रामअष्टकपटतनिसदिनविश्व
लोकसगाकृतें ॥ श्रीगुरोरामानं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रा॰
३
3
१४५

दसअवतारस्वरूप॥सीतारामजीस्व
रूपब्रह्महै॥रघुरामजीस्वरूपब्र
ह्महै॥श्रीरामजीस्वरूपसाक्षब्रह्म
है॥९॥ इतिश्रीरामाष्टकंसंपूर्ण
म् शुभम्॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri